



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 6] नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 15, 1985/चैत्र 25, 1907
No. 6] NEW DELHI, MONDAY, APRIL 15, 1985/CHAITRA 25, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण), कार्यालय, अर्जेंट रेंज 2

बम्बई, 28 मार्च, 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269B(1) के अधीन सूचनाएं

निर्देश सं. अ ई 2/37-ई ई/8250/84-85:-
अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम',
कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका बाजार मूल्य 25000 रु. से अधिक है और
जिसकी सं. प्लॉट नं. 10 जो, प्लॉट एस नं. 70(पास)
और एस नं. 287 और सब प्लॉट नं. 1 नार्थ इर्ला नाला
अंधेरी, बम्बई 49 है तथा जो बम्बई-49 में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961

की धारा 269B के अधिनियम बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-7-1984 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उसके बचने में सुविधा के लिए।

बार / दा

- (ध) ऐसी किसी आय का निर्वाधन या अन्य अस्तिथि को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्व उत्तर प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित - किन्हीं, अर्थात् —

1. श्री जनाब शिवाजी जोहार बुरानुद्दीन साहेब ।
(अन्तरक)

- 2 श्रीमती अनिलकुमार सेठी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विषये कारवाहिया शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्दर्भ में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के उक्त स्थावर सम्पत्ति में भीतर हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 10क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 10 (निर्माणाधीन इमारत में), एम. नं. 287 और सब प्लॉट नं. 1, नार्थ इला के पास, विले पार्ले के पास, अंधेरी बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. म. आई- 2/37/ईई/ 8250/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

Bombay, the 28th March, 1985

NOTICES UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

Ref. No. AR-II/37 EE/8250/84-85:— Whereas, Laxman Das being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Flat No. 10, S.No. 76(p) and S. No. 287 and Sub Plot No. 1, near Vile Parle, Andheri, Bombay-49, situated at Bombay-49 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 28-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer;

and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

1. Shri Janab Quied Johar Burhanuddin Saheb (Transferor)
2. Smt. Anilkumar Sethi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of fortyfive days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 10, S No. 70(pt) and S.No. 287 and Sub plot No. 1 Near North Irla Halla near Vile Parle, Andheri, Bombay-49. The Agreement has been referred by the Competent Authority, Bombay, under S.No. 8250 on 28-7-1984.

निर्देश सं. अई- 1/37-ईई/8251/84-85:— अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25000/- रु. में अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 9, जो सर्वे नं. 30 (अग) और सर्वे नं. 287 आर सब प्लॉट नं. 1, नार्थ इर्ला हॉल्ला के पास, विले पार्ले के पास, अंधेरी, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार है, स रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-7-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;

और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तित्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ

अन्तरितों द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या दिया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वास्तवियों, अर्थात्—

1. श्री जनार्दन भूषे जोहर गुरुदत्तदत्त मालव (अन्तरक)
2. श्रीमती रत्ना, ए. गेडी (अन्तरिती)

को यह पूर्णतः सही करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्ण के लिये कारण दिया गूँ करना है। उक्त सम्पत्ति के अन्तर्ण के सञ्चय में कोई भी आक्षेप—

- (क) उस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

- (ख) उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवान किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वन्धवरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 9 जो एम. नं. 30 (अग) और 287 और सब प्लॉट नं. 1, नार्थ इर्ला हॉल्ला के पास, विले पार्ले के पास, अंधेरी, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्रम. सं. अई- 2/37-ईई/8251/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-7-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी
महोदय आयकर आयुक्त (निगोक्षण)
अर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीख 28-3-1985

मोहर

Ref. No. AR-1/37-EE/8251/84-85:—Whereas, I Laxman Das being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 9, S. No. 30(pt) and S. No. 287 and Sub-plot No. 1, Near Vile Parle, Andheri, Bombay situated at Aombay (and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 28-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer;

and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

1. Shri Janab Quied Johar Burhanuddin Saheb (Transferor)

2. Smt. Rajani A Sethi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of fortyfive days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 9, S. No. 30(pt) and S. No. 287 and Sub Plot No. 1 Near North Irla Nalla, Near Vile Parle, Andheri, Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. 8251 on 28-7-1984.

Dated : 28-3-1985

Seal

LAXMAN DAS, Competent Authority
(Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay)